बरेली, सोमवार
27 अप्रैल, 2026
नगर संस्करण

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO, 05, MIDDLE

नाटक मंचन

एसआरएमएस रिद्धिमा में संडे को डॉ. प्रभाकर गुप्ता लिखित कहानी एवं अश्वनी कुमार द्वारा नाट्य रूपांतरित 'पौलस्त्य' का मंचन हुआ. विनायक कुमार श्रीवास्तव निर्देशित इस नाटक में भारतीय पौराणिक कथाओं के जटिल और बहुपक्षीय पात्रों में से एक पौलस्त्य (रावण) के जीवन के अनदेखे आयामों को उजागर करते हुए मंचन किया गया, जिसमें रावण को शिवभक्त, विद्वान, राजनीतिज्ञ, संगीतज्ञ और धर्मशास्त्रों के ज्ञाता के रूप में प्रस्तुत किया गया है. नाटक का आरंभ इक्ष्वाकु वंश के एक राजा अनरण्य और युवा रावण यानि दसग्रीव के द्वंद्व युद्ध से होता हैदसग्रीव अनरण्य को तो पराजित करता ही है साथ में उसके इक्ष्वाकु कुल का भी अपमान करता है. इससे नाराज अनरण्य दसग्रीव को शाप देता है कि हमारे इक्ष्वाकु कुल में पैदा वीर ही तुम्हारा अंत करेगा.